ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

9-10-2024

अन्दर में जो भी पुराने भाव-स्वभाव का किचड़ा है, उस परिवर्तन करने के लिए सच्चाई और सफाई का गुण धारण करो। मन्सा-वाचा-कर्मणा तीनों में बनावटी रूप न हो। सच्चाई अर्थात् जो करें, जो सोचें वहीं वर्णन करें। ऐसा जो सच्चा होगा वह सबका प्रिय होगा। सच्चे पर साहेब राज़ी होता है।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

In order to transform the rubbish of the conflict of whatever is in your mind, inculcate the virtue of honesty and cleanliness. Let there not be anything artificial in your thoughts, words or actions. Honesty means you only speak of what you do and what you think. Those who are honest to this extent will be loved by everyone. The Lord remains pleased with those who are honest.